History, Degree Part-01, Paper-02, Unit-I
Topic- Reformation, Dr. Md. Shakil Akhtar
lect. 23 Date: 23/04/2020

धर्म-सुधार आन्दोलन के कारण :
धर्म-सुधार आंदोलन के कारणों को जानने के लिए उस युग की सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का अध्ययन आवश्यक है: जो निम्नलिखित है।

1. धार्मिक कारण : धर्म-सुधार का सबसे प्रमुख कारण धर्म में व्याप्त बुराइयां थी। चर्च धर्म का केन्द्र था और उसमें अनेक प्रकार की बुराई आ गई थी। जैसे पोप, पादरी का धनी होना, विलासी एवं भ्रष्ट जीवन व्यतीत करना। अब पादरी विवाह करने लगे थे और सांसारिक मोह जाल में फंस गए थे। जनता को पादरी का नैतिक पतन पसंद नहीं था।
पादरियों पर देश का कानून मान्य नहीं था और अगर मुकदमा चलता भी था तो उसकी सुनवाई केवल पादरी का न्यायालय ही कर सकता था। अतः उन को दण्ड भी बहुत कम मिलता था।

एक व्यवस्था क्लूरेलिटीज के अनुसार एक पादरी अनेक गिरजाघरों का अध्यक्ष बन सकता था। जिस से चर्च की उचित व्यवस्था नहीं हो पाती थी।
पोप बुमाई जगत का सम्राट समझा जाता था। उसने अपने प्रतिनिधि Legate और Nuncious नियुक्त किए थे। जो

Scanned with CamScanner

राजा की शक्ति पर अकुश लगाते थे और पोप को सूचना देते थे।

पोप अपनी निरंकुश शक्ति को बनाए रखने के लिए दो प्रकार के विशेषाधिकार का प्रयोग करते थे।

① Interdict — जिस के द्वारा वह किसी भी देश के गिरजाघर को बंद कर सकता था। इस के कारण जनता के सभी धार्मिक कार्यों पर प्रतिबंध लग जाता था। जिस से जनता को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

② Ex-communication :- इस अधिकार से वह किसी देश के राजा को ईसाई धर्म से च्युत कर सकता था जिसका अर्थ था उसे राजा पद से हटना।

जिस कारण राजा और जनता दोनों भयभीत रहते थे और वह पोप की इस निरंकुश शक्ति को समाप्त करने के लिए प्रयत्नशील रहते थे।

पोप ने स्वयं को ईश्वर का प्रतिनिधि मानते हुए धन अर्जित करने के उपाय कुछ ढंग निकाला था। जो निम्नलिखित थे।

① Indulgence — क्षमा पत्र, जिस के द्वारा पोप कोई भी व्यक्ति को पोप से मुक्ति पत्र दे सकता था। जिस के बदले पोप उस के बदले धन प्राप्त करता था। पोप ने यह प्रचार कर दिया था कि जो पोप से मुक्ति पत्र प्राप्त कर लेगा वह स्वर्ग प्राप्त करेगा।

Scanned with CamScanner

(ii) Annates or First Fruit :- पोप प्रत्येक इसाई राष्ट्र से उसकी वार्षिक आय का एक अंश प्राप्त करता था। तथा गिरजाघरों में विभिन्न पदों को बेचा जाता था। इस प्रकार अपार सम्पत्ति एकत्रित कर ली थी। आधुनिक युग के नेता गिरजाघरों के इन बुराई को समाप्त करना चाहते थे।

2. राजनीतिक कारण : यूरोप के शासक वर्ग अपने ऊपर पोप की निरकुंश शक्ति को समाप्त करना चाहते थे।
वे गिरजाघरों और पोप को जाने वाली धन राशि को भी रोकना चाहते थे। मध्यकालीन शासकों को धन की भारी आवश्यकता रहती थी।

3. सामाजिक कारण : पुनर्जागरण के कारण लोग तर्कवादी हो गए थे। वे पर्याप्त प्रमाण के अभाव में किसी सिद्धांत अथवा बात को अस्वीकार कर देने लगे। इस प्रकार पुनर्जागरण ने सामाजिक स्तर पर तर्क को विस्तार कर धर्म-सुधार आन्दोलन को रास्ता दिखाया।

4. आर्थिक कारण :- पोप विभिन्न अधिकारों के अंतर्गत विभिन्न देशों से आर्थिक दोहन कर दूसरे देश धन ले जाते थे। उस समय पोप ने अपनी राजधानी रोम ~~(1309~~ - 1309 ई तक फिर Ayugnen (1309 - 1378) और फिर रोम बनाई। ये धार्मिक

साथ-साथ आर्थिक केन्द्र बनते जा रहे थे। चूंकि आर्थिक दोहन से राजा और जनता दोनों को आर्थिक क्षति होती थी अतः वे दोनों अपने देश से इस आर्थिक दोहन को रोकने का प्रयास करने लगे।

5. Influence of National spirit : पोप चूंकि रोम में था और विभिन्न अधिकारों के द्वारा विभिन्न देशों में को प्रभावित करता था। वह राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक क्षेत्र था। आधुनिक युग के उदय के साथ प्रत्येक देश में राष्ट्रीय भावना का जन्म हुआ और जनता समझने लगी थी कि पोप एक विदेशी है अतः पोप के प्रभाव को समाप्त करना प्रत्येक देश का कर्तव्य है।

अतः विभिन्न प्रभाव से अब लोग एक नवीन धर्म की आवश्यकता को अनुभव करने लगे। यूरोप में समय-समय पर अनेक धर्म-सुधारक हुए जो गिरजाघरों की बुराई को जनता के समक्ष रखते थे। इनमें प्रसिद्ध John wyclif जो oxford university का प्राध्यापक था। उसने इंगलैंड के राजा Edward Third को सुझाव दिया कि धर्म को पवित्र करने के लिए गिरजाघरों की धन एवं सम्पत्ति पर अधिकार कर लेना चाहिए।

दूसरा प्रमुख धर्म सुधारक बोहेमिया का John Huss था, वह भी विश्वविद्यालय का प्राध्यापक था। उसने नवीन विचारों का प्रचार किया। इस प्रकार धर्म सुधार आंदोलन प्रखर होने लगा।

Scanned with CamScanner